





ॐ नमः श्रीचक्रसंवेनाय ॥ ॥ वागज्जुन्धरुनेवि ॥ ॐ नमः श्रीचक्र
संवेनाय ॥ जाओ ॥ धर्मध्वजिनदद्यानन्दकालिकाभक्त्या ॥
जगदात्मकतावन ॥ जाओ ॥ कमलासनसुखमिव नूधवा कलकम
ला ॥ कासा ॥ सहजानन्दकालिका ॥ जाओ ॥ निषिलजिनदद्याद्वाद्दस
दना ॥ कासा ॥ नरुगमेश्वरकृमाना ॥ त्वाक ॥ जाओ ॥ ॥ वागज्जुन्धरुने

वि ॥ मानवस्यति ॥ विध्वसना नूहविन्दुविम्बा २ भांका नवियापितसु
सकृवा ॥ ॥ नमामि ३ वागिध्वनसयनमूनिदद्याद्वादिनासपिकू
टागमनमनाहनसयनजिनदद्या ॥ ॥ पीतनीलानूहमीनवयन २
यंचजिनमकूटमनिलयन ॥ ॥ धर्मचक्रमूडाकूलिमलागि २ द्यन्वा
प्रथियापुष्टाउवस्थानं ॥ ॥ सुनासूननमितवचनरत्नरुनयिपन

यध्वरुश्वहृविमल्लडमाधव॥

॥ ननाहैहैर नना नन हैहैहै ॥ इदा जालिग नजागधव

रवजयधुमडाधव॥

॥ यववससंयुक्तदेधवृश्ववदसूखदीययधुमव॥

मायादहनोविनजंशुश्रुहियकरनसत्वमहै॥

॥ वागधुमालमायधो॥ निचय

लीविमसिमधुनमाया॥ यानिमा नडमलनिधला रवजय जालिग नसमलः ना नालि

महजया॥ ननाहैहैर नना नन हैहैहै ॥ १ ॥ निलवध्वरुश्वहृविमल्लडमाधवः यलमा

नदमलनिधवारविश्ववजयध्वरुश्वहृविमल्लडमाधवः हाउआरुलनसूखदिना॥ २ ॥ वजयधु

गजवर्ममसूखदीयविलमा नदमलनिधवारकलनिधवारयलधुयामनिमलधुमसिध

धलाः याध्वरुश्वहृविमल्लडमाधवः॥ ३ ॥ दिर्गाविदिगकाकायादिः उमदाकादिदोयः सहजाः

नदमलनिधवारः मासिः याध्वरुश्वहृविमल्लडमाधवः॥ ४ ॥ वाग

धवाः॥ हाउआरुलनः कियायिलसमलधुलियकवालिलयमाः रुमवालिलयमदियाम

नमस्तुतकामादिगवला ॥ ६ ॥ ललायमालममलवाया ममलसद्वलिमात्र काया २ ह म
विवादिनि यजवालाहि २ वा मादि मालमाया ॥ १ ॥ मालिलयन वलसद्वगयन काया २
नयितमया २ गगननिलवर्ध वदिलजावा मलममलरुवलिना ॥ २ ॥ निर्यधरतामय
दिगलममल ययिसयिष्ठनरकाया २ ह मविवादिन वलवावाहि रुमविष्ठतामिष्ठधवा
॥ ३ ॥ वमवनिलिवायकालियडय मककुलरुन नकाधर समयावा तद्वद्विनाम

ममल २ वल दलवावाहि ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ वागकनदि ॥ नि हंता वाययिकागिति दहवा
वालि २ वमलकासिमयठकलद्विथाल ॥ ५ ॥ कागितिरुकाविष्ठद वनहनकिवायि २
त्यवामहयतिथानकसवमयिवायि ॥ १ ॥ रुयद्वंजागिनिलयनकायि २ मीधकलवाहियाव
डिदियनमात्र ॥ २ ॥ मासदमयवधावकाविचनावर वडमयिदिययकनरुवाया ॥
३ ॥ ललायमालिहमकुचनविवा २ नवयनालिनायु २ रुयडवीया ॥ ४ ॥

[illegible][illegible]

47

१४५३

विद्यविद्यारम्भाकारविद्यारिक्तसंरुद्धा ॥ ६ ॥ नमामि उवागीश्वरसयलमूर्तिद्व
याश्रित्यासुरिकदामाजमनादयसयलजिनद्वयरा ॥ ॥ यामनीलाचूनजिनव
रानश्रयश्चजिनमकुटमजिनयान ॥ ॥ धर्मचक्रमृदाकलीसमजासश्रयर्ध्व
ययियुक्ताकुटस्त्रासं ॥ ॥ शुभास्यनमिक्तचवनश्रुतयिद्यमादिचक्रजिन
नयान ॥ ॥ ॐ ॥ रागकनदि ॥ निलगयनसारिक्तभूताश्रितिसखानिवाचनीकमच
संरुद्धा ॥ ६ ॥ हयेश्वरागमश्चलवीजाश्रमागीनीश्वरानेवजीकरननाचरी ॥

五

॥ श्रीगणेशाय ॥

24

॥ श्रीगणेशाय ॥

[illegible]

राशि संज्ञा

[illegible]

कमलविकीर्ति

नमो॥ स २ श्री चदात्मना ॥ लक्ष्मी ददितुं धर्मा धाम्नुपलिया विमल निरु निरु रागि ॥ ॥ न
मामि २ श्री मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥
॥ जगन्निर्लब्ध ॥ कमलविकीर्ति निरु रागि मरुवे दयियत रक्ष समद हार वरुजय
दत कवल यदन यमनि नय कासिना ॥ २ ॥ नमो मि २ श्री मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥
यमला गुन २ क कनि ददन ज्ञान दल यद सर्व ज्ञान निदिया लिका ॥ ॥ यथाम्ब
लदय वरुजय दल मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥

२२

कमलविकीर्ति

वरुथ खरु सद्य दल यना ॥ ॥ मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥
रुका २ नल मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥ निरु द्वि विद्विदाः
यिल मि कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥ सजन सल नागि यल मादि वरुज
मन ॥ २ ॥ **॥ जगन्निर्लब्ध ॥** कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥
मिनि कुडानं २ सर्वल वा दल कनि मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥
मरुवे कन गि कच विना २ य दामामि २ श्री यदनि २ वि २ द्वि मि द्वि यसादा ॥ २ ॥

तिष्ठद्वदनकुडादिउसदिगकोसकलनं ॥ ॥ दहिनकजांठेव जायवदकिनिआ
 चमाचलनदयजमानसासमूहिसममा १ वामयदांगवमदककयाचारवसमद
 सागजतमयाह ॥ ॥ धाजददलविनामकुमसमंनं विदवमदयकनालव
 दमा १ वायवमानकासननलमदमालाअनियानियादनासिद्धिहजदं ॥ ॥ गाडा
 निसलकयजकुनकोध्यानः ८ सलडातासनसंमालनन १ दधदमालसमयवलि
 जककधीमहाकालगडायादसजहां ॥ ॥ ॥ १ जागमानिजव ॥ अरुचनिजंजुन

१००

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

दयनूयम ॥ ॥ मयकमलजसाधना १ अथमाविनासिकजायआचियादययाविनेयसम
 जातिना ॥ ॥ ॥ नमासिनीलानं निलकलज्वलाय ॥ रुकसुजनसंयायिना १ सलदचडस
 म ॥ नजयकासिकजलजचडसमयायिमा ॥ ॥ ॥ रुकजागठलसाधियचकवलिमनम
 डलरुमायिकजिना १ निसलदियाचका ॥ धावकशुदिनिसिकचलजमसाधना ॥ ॥ आन
 दयमानदविलसासदक १ रुकानडक १ रुक १ यलसाविजसा १ नशुदोजसा १ सासु १
 मरुसयुदयायिमा ॥ ॥ ॥ रुककालयकधीयकसंमनमनककोठिसिद्धयाजगना १ ३

१०१

पुष्पदिग्गंजन॥

हकडादियानयलूगिनिजानंधनीयुसमहासूखजानडू॥ ॥याव
गकाभाउवापूधदिग्गंजनयलूगमममनदवीवक्तायनीहंसासुनि
उरुनदिग्गंजनगहानमममनदवीनूदायनीवृषवाहिनी॥ ॥
सवमहाकालगमयति कुमालावीलकवजानयकयकनी॥पूजिय
ननमाजूलिवलिनूधिनवाधिसधियागिनीमारुकागलमर मोडरुव

नथीअरुमममनरुगयनयिधमवगना॥ ॥यधिमदिग्गंजन
कालांकुनमममनदवीरूदायनीगजवाहिनी॥दकिनदिग्गंजन
कलंकमममनदवीवावाहीमहिरववाहिनी॥ ॥अरुमदिग्गंजनअ
दृहसमममनदवीकोमानिमयूवासनी॥नमसदिग्गंजनयंन
यैकमममनदवीविषूविगनूजसिनी॥ ॥वायूयदिग्गंजन
वन॥

